https://www.path-2-happiness.com/hi

केवल मिथक ही का आधार हो सकता है। ईश्वर ने सच कहा कह दो कि (मुश्रिकों!) अगर तुम सच्चे हो, तो दलील पेश करो।(अल न्म्ल, 64)

विरोधा भासीः यह सारे धर्म विरोधा भासी से भरे हुये हैं। हर समूह दूसरे समूह का विरोध करता है, और इसी विरोध पर अपने धर्म की उन्नति करता है। ईश्वर ने सच कहा है। अगर यह खुदा के सिवा किसी और का (कलाम) होता, तो उसमें (बहुत-सा) इख्तिलाफ़ पाते।(अल निसा, 82)

जहाँ तक आकाशीय धर्मों का सवाल है, तो वह सब के सब ईश्वर की ओर से अनुग्रह है, जिसके व्दारा ईश्वर ने मानवता पर परोपकार किया है, ताकि मानवता को सीधे पथ की ओर निर्देश करे, उसके मार्ग को प्रकाशवान बनाये, उनके विरोध में सबूत इकट्ठा करे और अपने आदेशों को पहुँचाने के लिए रसूल भेजने के व्दारा मानवता को मिथक, वृत्ति और बुध्दि के उल्लंघन और ईश्वर के भागीदार मानने की अंधकार से दूर करे। (सब) पैग़म्बरों को (खुदा ने) खुशख़बरी सुनानेवाले और डरानेवाले (बना कर भेजा था), ताकि पैग़ंम्बरों के आने के बाद लोगों को खुदा पर इल्ज़ाम का मौक़ा न रहे और खुदा गालिब हिक्मत वाला है।(अल निसा, 165)

https://www.path-2-happiness.com/hi

बौध्द धर्म के विरोधा भास

बौध्द धर्म का अनुकरण करनेवाले ईश्वर का इन्कार करते है। और वह सब या उनमें से कुछ लोग गौतम बुध्द को ईश्वर का बेटा कहते हैं, आत्मा का प्रतिरोध करते हैं और पुनर्जन्म पर विश्वास रखते हैं।